web: www.nyaysakshi.com | पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल | पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

Govt. Registered Social Justice Union

दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, बुधवार 08 नवंबर 2023 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-06, अंक- 43

मतदान के दौरान पुलिस और नक्सलियों के बीच ताबड़तोड़ मुठभेड़ : मारे गए 5 नक्सली, कई घायल

सुकमा (आरएनएस)। बस्तर संभाग में पहले चरण में 20 सीटों पर हुए चुनाव के दौरान सुबह से ही नक्सलियों ने अलग अलग क्षेत्रों पर उत्पात मचाया। मतदान के बीच सुकमा जिले में पुलिस और नक्सलियों के बीच ताबड़तोड़ मुठभेड़ हुई है।

जानकारी के अनुसार, दोपहर 2:20 के बजे चिंतागुफा थाना क्षेत्र अंतर्गत मिनपा की ओर मतदान सुरक्षित संपन्न कराने हेतु मिनपा एवं दुलेढ के बीच एरिया डॉमिनेशन पर निकली कोबरा 206 वाहिनी एवं एसटीएफ के बल के ऊपर नक्सलियों के द्वारा अंधाधुंध फायरिंग किया गया।

बल के ऊपर नक्सलियों के द्वारा अंधाधुंध फायरिंग किया गया। जवाब में जवानों भी ताबड़तोड़ गोलियां बरसाई। लगभग 30 मिनट तक दोनो तरफ से ताबड़तोड़ फायरिंग हुई। सुरक्षाबलों को अपने ऊपर भारी पड़ता देख नक्सली जंगल पहाडिय़ों की तरफ भाग खड़े हुए।

बताया जा रहा है कि मुठभेड़ में 5-6 नक्सली मारे गए और कई नक्सली घायल भी हुए हैं। हमले में कोबरा 206 वाहिनी के 2 जवान घायल हुए जिनकी स्थिति अभी खतरे से बाहर है साथ ही अन्य जवान सुरक्षित है। छत्तीसगढ़ स्थापना के बाद पहली बार मिनपा एवं एल्मागुंडा में मतदान कार्य संपन्न कराया गया। मिनपा में 113 एवं एल्मागुंडा में 247 लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया और लोकतंत्र में अपना भरोसा जताया। मतदान पश्चात मतदान दल एवं सुरक्षाबल सुरक्षित अपने कैंप वापस लौटी।

मतदान केन्द्र पर नक्सलियों ने की फायरिंग

नक्सलियों ने विधानसभा चुनाव का विरोध करते हुए आज सुकमा के बंडा मतदान केंद्र पर जमकर फायरिंग की है। इसके जवाब में जवानों ने फायरिंग शुरू की तो नक्सली जंगल में भाग गए। इस गोलाबारी से बंडा मतदान केंद्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। डीआरजी जवानों ने भी की नक्सलियों पर जवाबी कार्यवाही देखी गई। जवानों की जवाबी कार्यवाही के बाद नक्सली भागते हुए नजर आए। जवानों के आश्वासन के बाद मतदान दल ने यहां फिर से मतदान शुरू करा दिया है। वहीं मतदान केन्द्र के आसपास जवानों ने अपनी मुस्तैदी और बढ़ा दी है। डीआरजी के जवानों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। ज्ञात हो कि आज सुबह ही टोंडामर्का इलाक़े में नक्सलियों ने आईईडी ब्लास्ट भी किया है। इसमें कोबरा का एक जवान घायल हो गया है।

नक्सलियों ने किया आईईडी ब्लास्ट

सुकमा-रायपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के लिए प्रथम चरण का मतदान शुरू हो गया है। इसी बीच सुकमा से एक बड़ी खबर निकलकर सामने आई है। यहां नक्सलियों ने तोंडामरका में जवानों को टॉरगेट करते हुए आईईडी विस्फोट किया है। इसमें एक जवान के घायल होने की सूचना है। कल जहां कांकेर में आईईडी ब्लास्ट कर तीन लोगों को जख्मी करने की खबर आयी थी, वहीं आज सुकमा में भी आईईडी ब्लास्ट की खबर है। छत्तीसगढ़ में पहले चरण के मतदान के बीच एक बड़ी खबर सामने आ रही है। सुकमा के तोंडामरका इलाके में नक्सलियों द्वारा आईईडी ब्लास्ट किया गया है, जिसमे कोबरा बटालियन का एक जवान घायल हो गया है । जानकारी के अनुसार सुबह गश्त के दौरान कोबरा 206 के जवान श्रीकांत का पैर नक्सलियों के द्वारा लगाए गए आईईडी पर पड़ गया, जिसके बाद ब्लास्ट हो गया। ब्लास्ट में जवान घायल हो गए। बताया जा रहा है कि जवान एरिया डोमिनेशन अभियान में एल्मागुंडा गांव के लिए निकले थे , जहां तोंडामरका के पास ये हादसा हुआ है। फिलहाल जवान के प्राथमिक उपचार कैंप के मेडिकल अफसर कर रहे है।

महत्वपूर्ण एवं खास

केरल में पति ने की पत्नी की हत्या

तिरुवनंतपुरम (आरएनएस)। केरल के पलक्कड़ जिले में एक महिला की उसके पति ने मंगलवार को हत्या कर दी। घरेलू समस्याओं के कारण उर्मिला और उनके पति कुछ समय से अलग रह रहे थे। स्थानीय लोगों के अनुसार, उसका पति मंगलवार सुबह नल्लापिल्ली स्थित उसके घर आया, इसके बाद दोनों के बीच बहस शुरू हो गई। जब उर्मिला जाने के लिए तैयार हो रही थी, तो उसके पति ने उस पर हमला कर दिया। स्थानीय लोगों ने उसे अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उसने दम तोड़ दिया। शख्स फिलहाल फरार है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने किया विधानसभा का घेराव, पुलिस ने किया वॉटर कैनन का इस्तेमाल; कई महिलाएं बेहोश

पटना (आरएनएस)। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगों को लेकर आज जमकर हंगामा किया है। इन कार्यकर्ताओं ने बिहार विधानसभा का घेराव किया। जिसके बाद भीड़ को तितर बितर करने के लिए पुलिस ने वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया। अपनी मांगों को लेकर बिहार विधानसभा के बाहर विरोध प्रदर्शन के दौरान कई आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बेहोश हो गईं। इसके बाद उन्हें ई रिक्शे में लिटाकर ले जाया गया। प्रदर्शनकारी मौके पर भारी संख्या में जुटे हुए हैं। इस दौरान कुछ प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों के बीच धक्का मुक्की भी हुई है। हालात को काबू में करने के लिए भारी संख्या में पुलिस बल की तैनाती की गई है। वाटर कैनन के इस्तेमाल के बावजूद महिलाओं के हौसले बुलंद हैं। पटना में बिहार सरकार के खिलाफ आंगनबाडी कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन पर राजद सांसद मनोज झा का कहना है, लोकतंत्र में हर किसी को सरकार के सामने अपनी मांग रखने का अधिकार है और सरकार को उनकी मांगों पर ध्यान भी देना चाहिए। वर्तमान बिहार सरकार लोगों की मांगों को गंभीरता से लेती है और उस पर विचार विमर्श किया जाता है।

सोम ग्रुप के ठिकानों पर आयकर टीम की दबिश

बिलासपुर-रायपुर (आरएनएस)। केन्द्रीय आयकर विभाग की टीम ने आज सुबह-सुबह सोम गुरुप के ठिकानों पर छापामार कार्रवाई की है। भोपाल से संचालित होने वाले सोम ग्रुप के सिरगिट्टी स्थित कार्यालय व अन्य ठिकानों पर दबिश देकर जांच-पड़ताल की जा रही है। बताया जाता है कि सिरगिट्टी के बॉटलिंग प्लांट के अलावा अन्य स्थानों पर आईटी की टीम सघन जांच-पड़ताल कर रही है। हजारों करोड़ों के इस ग्रुप पर आयकर विभाग की नजर काफी पहले से थी और आज सुबह-सुबह अचानक टीम ने ताबड़तोड़ जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार आयकर की छापामार टीम में इन्दौर और मुम्बई के अधिकारी शामिल हैं। सूत्र ने बताया कि सोम ग्रुप के सिरगिट्टी स्थित डिसलरी में इन्दौर और मुम्बई की संयुक्त आयकर टीम ने सुबह आठ बजे धावा बोला है। टीम में करीब आधा दर्जन से अधिक लोग शामिल है। सभी लोग बन्द कमरे के अन्दर जांच पड़ताल कर रहे है।

बाइक सवारों को बोलेरो ने मारी ठोकर, दर्दनाक हादसे में मां की मौत, बेटा गंभीर

तखतपुर (आरएनएस)। जिले में दर्दनाक सडक़ हादसा हुआ है. एक तेज रफ्तार बोलेरो ने बाइक सवारों जो ठोकर मारी दी. हादसे में बाइक सवार महिला की मौके पर मौत हो गई जबकि युवक गंभीर रूप से घायल हो गया है. जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है. यह मामला तखतपुर थाना क्षेत्र का है। जानकारी के अनुसार, बोलेरो वाहन चालक ने लापरवाही पूर्वक गाड़ी चलाते हुए बाइक सवार मां-बेटे को अपने चपेट में ले लिया. हादसे में मौके पर ही अधेड़ महिला की मौत हो गई और बेटे को गंभीर चोट आई है. बताया जा रहा है कि मृतिका अपने बेटे के साथ बाइक से लोन का पैसा निकलवाने तखतपुर जा रही थी. तभी मोढ़े मार्ग के पास घटना हुई. शव का पंचनामा कार्रवाई पुलिस ने बॉडी को पोस्टमार्टम के लिया भेजवा दिया है. मामले में पुलिस आगे कार्रवाई में जुटी हुई है.

पटाखे संबंधी निर्देश सभी राज्यों पर लागू : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि पटाखे फोडऩे के खिलाफ उसके द्वारा जारी किए गए निर्देश सिर्फ दिल्ली-एनसीआर के लिए नहीं, बल्कि सभी राज्यों के लिए हैं। अदालत ने राज्य सरकारों को वायु/ध्वनि प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए उचित कदम उठाने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति ए.एस.बोपन्ना और न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश की पीठ भारत में पटाखों की बिक्री, खरीद और उपयोग पर प्रतिबंध लगाने की मांग को लेकर दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रहे थी।

याचिकाकर्ता ने राजस्थान राज्य के लिए याचिका दायर कर शीर्ष अदालत से पिछले आदेशों को लागू करने का निर्देश देने की मांग की है। याचिकाकर्ता ने अदालत से कहा, ऐसा लगता है कि आपके आधिपत्य का आदेश केवल दिल्ली-एनसीआर पर लागू होता है, हालांकि यह पूरे देश में लागू है। मामले की सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति सुंदरेश ने कहा कि यह गलत धारणा है कि जब पर्यावरणीय मामलों की बात आती है, तो यह केवल अदालत का कर्तव्य है।

अदालत ने कहा कि उसके पहले के आदेश पर राजस्थान राज्य को अवश्य ध्यान देना चाहिए, और राज्यों को वायु प्रदूषण को कम करने के लिए कदम उठाने चाहिए, खासकर त्योहारी सीजन के दौरान। अदालत ने कहा, मुख्य बात लोगों को संवेदनशील बनाना है। 2018 में, शीर्ष अदालत ने पटाखों की बिक्री और उपयोग पर प्रतिबंध लगाया और बाद में कहा कि प्रतिबंध जारी रहेंगे और विधिवत लागू किए जाएंगे।

एमबीबीएस में हिंदी मीडियम में जल्द शुरू होगी पढ़ाई

0 केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने किया ऐलान

देहरादून (आरएनएस)। उत्तराखंड में एमबीबीएस के छात्रों के लिए हिंदी मीडियम में पढ़ाई जल्द ही शुरू हो जाएगी। गृहमंत्री अमित शाह 10 नवंबर को इसकी शुरूआत करेंगे। प्रदेश के चारों मेडिकल कॉलेज के छात्रों को फिलहाल मध्य प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में चल रहीं एमबीबीएस की किताबें उपलब्ध करवाई जाएंगी।

मध्य प्रदेश की तर्ज पर एमबीबीएस में हिंदी पाठ्यक्रम लागू करने के लिए प्रदेश सरकार ने पहले चार सदस्यीय कमेटी और इसके बाद दो सदस्यीय कमेटी गठित की थी। इसमें डॉ. सीएमएस रावत चेयरमैन और दून मेडिकल कॉलेज के ऑन्कोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. दौलत सिंह मेंबर सेक्रेटरी थे। सीएमएस रावत, डॉ. दौलत सिंह, डॉ. एके सिंह और डॉ. एचएस पांडेय पहली बार में मध्य प्रदेश गए थे। इस समय वहां पर हिंदी किताबें उपलब्ध नहीं थीं। किताबें आने के बाद एनएचबी चिकित्सा शिक्षा विवि के कुलपति प्रो. हेमचंद्र पांडेय और दून मेडिकल कॉलेज के ऑन्कोलॉजी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. दौलत सिंह मध्य प्रदेश गए थे।

हिंदी मीडियम में पढ़ रहे मेडिकल छात्रों और छात्रों को हिंदी मीडियम से पढ़ा रहे शिक्षकों का अनुभव जाना और इनका फीडबैक लेकर इसकी रिपोर्ट सरकार को सौंप दी। मेडिकल छात्र एक साल तक मध्य प्रदेश के मेडिकल कॉलेज में चल रही हिंदी मीडियम की किताबें ही पढ़ेंगे। इसके बाद हिंदी प्रकोष्ठ का गठन किया जाएगा। इसमें दूसरे प्रकाशन और विषय विशेषज्ञ शामिल होंगे।

छात्रों को यह अनुमति भी रहेगी कि वह अंग्रेजी के साथ हिंदी में भी प्रश्न का उत्तर दे सकते हैं। हिंदी में पढ़ाने के लिए शिक्षकों को भी अलग से प्रशिक्षण दिया जाएगा। हिंदी व अंग्रेजी माध्यम के छात्र साथ बैठकर ही क्लास करेंगे। बता दें कि एमबीबीएस में 60 फीसदी छात्र इंग्लिश मीडियम और 40 फीसदी छात्र हिंदी मीडियम के होते हैं। ऐसे में छात्रों को पढ़ाई में दिक्कत का सामना करना पड़ता है।

गाजा युद्ध रोकने के प्रस्ताव पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में नहीं बनी सहमति, अमेरिका और ब्रिटेन ने किया विरोध

संयुक्त राष्ट्र

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद एक बार फिर गाजा पट्टी में इजरायल और हमास के बीच चल रहे युद्ध को समाप्त करने के लिए एक मसौदा प्रस्ताव पर सहमत होने में विफल रही है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, सुरक्षा परिषद के 10 गैर-स्थायी सदस्य देशों वाले ई-10 ने प्रस्ताव का मसौदा तैयार किया था। लेकिन परिषद के स्थायी सदस्य अमेरिका और ब्रिटेन ने सोमवार को यूएनएससी सत्र के दौरान इसका विरोध किया।

संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका के उप राजदूत रॉबर्ट वुड ने कहा, इस बिंदु पर कोई सहमति नहीं है, लेकिन उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि यहां मानवीय ठहराव के बारे में चर्चा हुई है। और हम उस संबंध में बातको आगे बढ़ाने में रुचि रखते हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि सुरक्षा परिषद के भीतर इस बात पर असहमति थी कि क्या यह स्वीकार्य होगा। इस बीच, चीन के संयुक्त राष्ट्र राजदूत जून झांग ने गाजा को मानवीय सहायता पहुंचाने की सुविधा के लिए तत्काल युद्धविराम का आह्वान किया।

सीएनएन ने चीनी दूत के हवाले से कहा,जैसा कि हम बोल रहे हैं, फ़िलिस्तीनी नागरिक लगातार मारे जा रहे हैं। इसका खामियाजा बच्चों को भुगतना पड़ रहा है। गाजा बच्चों के लिए कब्रगाह बनता जा रहा है। कोई भी सुरक्षित नहीं है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राजदूत लाना जकी नुसेबीह ने रेखांकित किया कि परिषद के भीतर चर्चा चल रही है, और राष्ट्र अपने मतभेदों को पाटने के लिए काम कर रहे हैं।

हम हमास द्वारा इजऱाइल पर सात अक्टूबर को किए गए हमलों की निंदा करते हैं। हमने गाजा पट्टी पर इजराइल के अंधाधुंध हमलों की भी निंदा की। नुसेबीह ने कहा, हम बंधकों की हिरासत पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हैं और सभी बंधकों की तत्काल और बिना शर्त रिहाई के साथ-साथ उनकी सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप मानवीय व्यवहार की मांग करते हैं। बैठक के दौरान संयुक्त राष्ट्र के मानवीय अधिकारियों ने सुरक्षा परिषद को क्षेत्र की गंभीर मानवीय स्थिति के बारे में जानकारी दी।

कार और ट्रैक्टर-ट्रेलर के बीच भीषण भिड़ंत, हॉलीवुड फिल्मों के दिग्गज स्टंटमैन और उनके तीन बच्चों की मौत

न्यूयॉर्क । हॉलीवुड फिल्मों के स्टंटमैन ताराजा रैमसेस की जॉर्जिया हाईवे पर एक कार दुर्घटना में मौत हो गई है। स्टंटमैन के साथ उनके तीनों बच्चे भी थे, जिनकी मौत हो गई है। ताराजा रैमसेस ने मार्वल फिल्मों ब्लैक पैंथर और एवेंजर्स में काम किया था। जब रैमसेस की कार एक ट्रैक्टर-ट्रेलर से टकरा गई। टीएमजेड के अनुसार, 41 वर्षीय रैमसेस, हैलोवीन की रात डेकाल्ब काउंटी में इंटरस्टेट पर एक पिकअप ट्रक में अपने पांच बच्चों के साथ गाड़ी चला रहे थे। इसी दौरान यह हादसा हुआ।

रैमसेस को उनकी दो बेटियों, 13 वर्षीय सुंदरी और आठ सप्ताह की नवजात बेटी फुजीबो के साथ घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया। रैमसेस की मां अकीली ने बेटे की मौत की पुष्टि की, जो जीवन लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर था। अकीली ने खुलासा किया कि रामसेस की अन्य दो बेटियाँ जीवित रहीं। उनकी तीन साल की बेटी को मामूली चोटों के कारण अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अकीली ने अपने पोस्ट में लिखा है कि रैमसेस अपने बच्चों से बहुत प्यार करते थे। उन्होंने पोस्ट में लिखा, 'उन्हें अपनी मार्शल आर्ट, मोटरसाइकिल और फिल्म निर्माण से जुड़ी सभी चीजें बहुत पसंद थीं। उनका सेंस ऑफ ह्यूमर बहुत ही अजीब है और फिर भी वह जितना हो सके उतना बकवास कर सकते हैं।' बता दें कि रैमसेस द सुसाइड स्क्वाड, अटलांटा और क्रीड का भी हिस्सा थे। वैरायटी के अनुसार, उन्होंने आर्ट डिपार्टमेंट में 'द हंगर गेम्स: कैचिंग फायर,' 'द वॉकिंग डेड' और 'द वैम्पायर डायरीज' सहित कई प्रोजेक्ट पर भी काम किया है।

पराली जलाना बंद करें दिल्ली के आसपास के राज्यों को : वायु प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

नई दिल्ली (आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पराली जलाने और उससे दिल्ली में होने वाले प्रदूषण के मुद्दे पर पंजाब सरकार से कई अहम सवाल पूछे। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल और न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की पीठ ने पराली जलाने पर रोक लगाने के निर्देश देते हुए कहा कि इसका समाधान नहीं मिल पाने के कारण दिल्ली के निवासियों को परेशानी हो रही है। पिछले पांच साल से यही चल रहा है। इस मामले में तत्काल कार्रवाई और अदालत की निगरानी की आवश्यकता है।

पीठ ने उत्तर प्रदेश, राजस्थान, पंजाब और हरियाणा सहित दिल्ली-एनसीआर की सीमा से लगे राज्यों को पराली जलाने से रोकने और वायु प्रदूषण को कम करने के लिए तत्काल कदम उठाने के लिए कई निर्देश दिए। कोर्ट ने कहा कि मुख्य सचिव की निगरानी में पराली जलाने की जांच के लिए स्थानीय एसएचओ को जिम्मेदार बनाया जाना चाहिए। कोर्ट ने संबंधित पक्षों की सुनवाई करते हुए कहा कि यह राजनीतिक लड़ाई नहीं हो सकती। अदालत ने यह भी पूछा कि पंजाब में धान क्यों उगाया जा रहा है, जबकि जलस्तर पहले से ही इतना नीचे है।

पीठ ने टिप्पणी की, आप क्या कर रहे हैं? अपने जल स्तर को देखें। आप पंजाब में धान की अनुमति क्यों दे रहे हैं? आप पंजाब को हरित भूमि से बिना फसल वाली भूमि में बदलना चाहते हैं। पंजाब की ओर से पेश अटॉर्नी जनरल गुरमिंदर सिंह ने कई सुझाव देने के साथ ही कहा कि पंजाब में धान की फसल पर एमएसपी है। इससे सीमांत किसान फसल का विकल्प चुनते हैं। यदि एमएसपी खत्म होती है, तो वे खुद कम पानी वाली फसलों पर स्विच कर देंगे।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में इस सुझाव पर ध्यान दिया कि इस बात पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है कि क्या इस प्रकार का धान जो उपोत्पाद के रूप में पराली छोड़ता है, उसे उस समय अवधि में उगाया जाना चाहिए, जिसमें वह उगाया जाता है।

एजी ने कहा कि 15 साल पहले यह समस्या इसलिए नहीं आई क्योंकि ऐसी फसल नहीं होती थी। किसान आर्थिक स्थिति के कारण पराली जला रहे हैं। दिए गए विकल्पों का पालन नहीं किया जा रहा है। चूंकि किसान खरीदी गई मशीनों की लागत वहन करने को तैयार नहीं हैं, इसलिए यह सुझाव दिया गया है कि पंजाब पराली के कचरे से निपटने के लिए मशीनों की लागत का 25 प्रतिशत वहन करने के लिए तैयार है, दिल्ली सरकार 25 प्रतिशत लागत वहन कर सकती है और केंद्र 50 प्रतिशत वहन कर सकता है।

सुप्रीम कोर्ट ने इस पर संज्ञान लिया और कहा कि अगर केंद्र सब्सिडी पर इतना खर्च कर सकता है तो वे इस अदालत का खर्च भी उठा सकते हैं. पीठ ने यह भी कहा कि चूंकि केंद्र पहले से ही बाजरा पर स्विच करने के लिए काम कर रहा है, तो इस धान को किसी अन्य देशी और कम पानी वाली फसल के साथ स्विच किया जाना चाहिए।

अदालत ने हितधारकों को उपरोक्त पहलुओं के संबंध में तुरंत कार्रवाई करने का निर्देश दिया और कैबिनेट सचिव को इस मुद्दे पर सभी हितधारकों के साथ बुधवार को बैठक बुलाने को कहा। शीर्ष अदालत ने अपने आदेश में आगे कहा कि पंजाब द्वारा खाद्य सुरक्षा अधिनियम का पालन करना समस्याएं पैदा कर रहा है और सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए।

शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि पहले के आदेश के अनुसार दिल्ली में स्थापित स्मॉग टॉवर काम नहीं कर रहा है, और इसे 'हास्यास्पद' बताया और इसकी मरम्मत करने को कहा। इस तरह के मुद्दे से निपटने के लिए कोर्ट ने'ऑड-ईवन' जैसी योजनाओं को महज 'ऑप्टिक्स' बताते बताया।